सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक

themovementofindia.in

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन न. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें

प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी

ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवत्ता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 14 अंक -20 | 07 जुलाई 2025,सोमवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

जयपुर के बिजनेसमैन पर 100 करोड़ के घोटाले का आरोप

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

प्रवर्तन निदेशालय की जयपुर, कोटा और टोंक (देवली) में दो कंपनियों (डेबॉक इंडस्ट्रीज और नेचुरो इंडिया बुल) के करीब 6 ठिकानों पर चल रही कार्रवाई रविवार रात खत्म हो गई। डेबॉक इंडस्ट्रीज और नेचुरो इंडिया बुल पर छापे में प्रॉपर्टी संबंधी डॉक्यूमेंट, 78 लाख कैश और 4 लग्जरी कारें (रोल्स रॉयस, बेंटले, मर्सिडीज, लैंडक्रूजर एसयूवी) सीज की हैं।

कंपनी संचालक मुकेश मनवीर पर 100 करोड़ से ज्यादा के घोटाले का आरोप है। मनवीर पर आरोप है कि उसने फर्जी कंपनी बनाकर उन्हें शेयर मार्केट में लिस्ट कराया और उस कंपनी के 8 रुपए के शेयर का भाव 153 रुपए तक पहुंच गया।

श्बष्ठ की कार्रवाई में नेचुरो इंडिया बुल के प्रमोटर्स गौरव जैन, ज्योति समेत कई लोगों पर एक्शन लिया जा रहा है। डेबॉक ग्रुप के मालिक मुकेश मनवीर (मनवीर सिंह उर्फ मुकेश महावर) सांसद का चुनाव (शिवसेना) भी लड़ चुका है। फिल्म अभिनेत्री राखी सावंत के चुनाव प्रचार के बाद भी मुकेश को मात्र 4900 वोट मिले थे।

ईडी सूत्रों के मुताबिक, डेबॉक कंपनी के ओनर मुकेश मनवीर सिंह के ऑफिस, घर और नेचुरो एग्रोटेक इंडिया लिमिटेड के प्रमोटर्स गौरव जैन व ज्योति चौधरी के अलावा इनके सहयोगियों के यहां 4 जुलाई की सुबह ईडी की छापेमारी शुरू हुई थी। डेबॉक इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नेचुरो एग्रोटेक इंडिया लिमिटेड का ऑफिस एक ही एड्रेस पर थे। जयपुर और कोटा में ईडी को छापेमारी में डॉक्यूमेंट व इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस हाथ लगे हैं।

100 करोड़ से अधिक की रकम रियल एस्टेट में लगाई

मुकेश ने वित्तीय धोखाधड़ी की 100 करोड़ रुपए से अधिक की रकम को रियल एस्टेट में निवेश किया था। उन्होंने विला, हाउसिंग स्कीम, होटल और रिसॉर्ट के साथ-साथ वेडिंग बैंक्वेट हॉल भी खरीद रखे हैं। टोक रोड, चाकसू में एक बड़ी बहू मंजिला आवासीय योजना की भी तैयारी थी। डेबॉक ग्रुप के मालिक मुकेश मनवीर सिंह पहले मुकेश महावर नाम से जाना जाता था। मुकेश कुमार के नाम से वह शिवसेना से भी जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ समय से सक्रिय नहीं है।

साल-2019 में टोंक-सवाई माधोपुर से शिवसेना पार्टी के तीर के निशान पर सांसद का का चुनाव लड़ा था। फिल्म अभिनेत्री राखी सांवत चुनाव प्रचार के लिए आई थी। इसके बाद भी उनकी जमानत जब्त हो गई थी। मुकेश ने अपने ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगा रखा था। इसमें खुद को केंद्र की टेलीफोन एडवायजरी कमेटी में बतौर सदस्य का दावा भी कर रखा है।

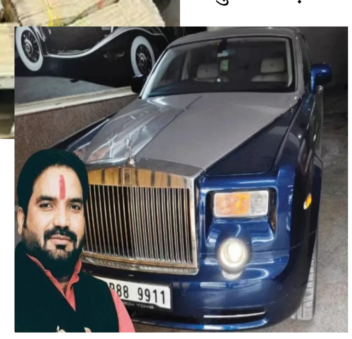

जयपुर में होमगार्ड के एडिशनल एसपी और सीआई गिरफ्तार:मंथली बंधी देने का बना रहे थे दबाव

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भष्ट्राचार निरोधक ब्यूरों (एसीबी) ने होमगार्ड के एडिशनल एसपी और सीआई को रिश्वत मामले में सोमवार दोपहर गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम ने 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते दोनों अधिकारियों को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि होमगार्ड में तैनात जवान ने एडिशनल एसपी नवनीत जोशी औी सीआई चंद्रपाल पर मंथली बंधी देने का आरोप लगाया था। इधर, इस कार्रवाई के बाद आरोपियों के आवास व ठिकानों पर सर्च कर रही है।

कार्रवाई नहीं करने के नाम पर मांगी थी रिश्वत

एसीबी के अनुसार होमगार्ड में तैनात जवान ने एसीबी में शिकायत की थी कि उसके खिलाफ अनुशासनहीनता की कार्रवाई नहीं करने की एवज में रिश्वत की मांग की जा रही है। होमगार्ड के एडिशनल एसपी नवनीत जोशी और सीआई जितेंद्रपाल की ओर से 2 लाख रुपए की रिश्वत रकम की डिमांड कर परेशान किया जा रहा है। 8 महीने तक 25 हजार रुपए की मंथली बंधी बांधकर देने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

एसीबी ने शिकायत पर ट्रैप का आयोजन किया। एसीबी के सत्यापन में होमगार्ड के एडिशनल एसपी नवनीत जोशी और सीआई चंद्रपाल के रिश्वत लेने की मांग सही निकली। रिश्वत की पहली मंथली बंधी के रूप में रकम के 25 हजार रुपए देकर सोमवार दोपहर परिवादी होमगार्ड जवान को भेजा गया।

रिश्वत के 25 हजार रुपए लेते एसीबी टीम ने दोनों आरोपियों को धर-दबोचा।

एसीबी की ओर से दोनों आरोपियों के आवास और ठिकानों पर सर्च किया जा रहा है। एसीबी का मानना है कि इसमें ओर भी अधिक जवान पीड़ित हो सकते है, जिनसे रिश्वत की मांग चल रही हो या ली जा रही हो। इस बारे में भी जांच की जा रही है।

कोटा में 50 फीट ऊंचाई से गिरा युवक, मौत:रील बनाते समय पैर फिसला

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

कोटा में गैपरनाथ पिकनिक स्पॉट पर दोस्तों के साथ घूमने गया युवक हादसे का शिकार हो गया। वह करीब 50 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गया। घायल हालत में उसे हॉस्पिटल लाया गया। उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना रविवार शाम आरकेपुरम थाना क्षेत्र के गेपरनाथ की है। युवक अर्जुन कहार (19) कैथून का रहने वाला था। अपने 5 दोस्तों के साथ गेपरनाथ मंदिर में घूमने गया था।

दोस्त ने बताया- उसी की जिद पर जाने के लिए तैयार हुए थे

दोस्त सूरज ने बताया कि रविवार दोपहर में अर्जुन गेपरनाथ जाने की जिद कर रहा था। उसकी जिद पर गेपरनाथ जाने को तैयार हुए। दशरथ, अर्जुन के साथ बाइक पर कोटा के गेपरनाथ आए। हमारे साथ रानपुर से दिनेश,विकास, शानू भी साथ हो लिए। गेपरनाथ में नीचे जाने का रास्ता बंद है। हम जुगाड़ वांले (पत्थरों से होते हुए) रास्ते से नीचे उतर रहे थे।

अर्जुन के हाथ मे मोबाइल था। वो वीडियो बना रहा था। उसी समय उसका पैर फिसल गया। और वो 50-60 फीट ऊंचाई से गिर गया। मुंह के बल गिरने से उसे चोट लगी। हमने नीचे जाकर उसे संभाला। उसकी सांस चल रही थी। उसने पानी मांगा। हमने ऊपर आकर पुलिस को सूचना दी। करीब 45 मिनट वाद उसे हॉस्पिटल लेकर रवाना हुए। रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। ऊंचाई से गिरने से उसका टूट गया।

12वीं का स्टूडेंट था अर्जुन

कहार समाज के युवा प्रदेश अध्यक्ष कुंजबिहारी ने बताया कि अर्जुन दो भाइयों में बड़ा था। 12 वीं में पढ़ाई करता था। अभी मेडिकल शॉप पर काम करता था। वो 5 दोस्तों के साथ घूमने गया था। दोस्तों ने बताया कि रील बनाते समय उसका पैर फिसल गया। वो 50-60 फीट ऊंचाई से गिर गया। परिजन को शाम 6 बजे करीब घटना का पता लगा। परिजन कोटा न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में आए। अर्जुन का मोबाइल ठीक होने पर घटना के कारणों का पता लगेगा। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। सालभर पहले उसके साथ किसी ने मारपीट की थी।अभी परिजनों ने शिकायत नही दी।

भीलवाड़ा के जहाजपुर मर्डर मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा के जहाजपुर कस्बे में एक कार से ठेले की टक्कर के बाद उपजे विवाद और एक युवक के मर्डर के मामले का जहाजपुर थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वारदात में शामिल शेष आरोपियों की पहचान के प्रयास तेज किए हैं।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि भीलवाड़ा के जहाजपुर कस्बे में तकिया मस्जिद के सामने एक स्विफ्ट कार एक ठेले से टकरा गई थी इसके बाद मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई आपस में धक्का-मुक्की के बाद एक युवक के गिरने और उसके सिर में चोट लग गई थी । मौके पर मौजूद लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां ड्यूटी डॉक्टर नेट उसे मृत घोषित कर दिया। ठेले से टक्कर के बाद हुआ विवाद इस मामले में जहाजपुर निवासी खाना कीर ने एक रिपोर्ट दी जिसमें उसने बताया कि उसके परिचित सिकंदर पिता गोपाल कीर, दिलखुश पिता नाथूलाल कीर, दीपक पिता रतनलाल वर्मा, सीताराम पिता मोहन कीर निवासी छावनी टोंक से जहाजपुर आए थे, इनकी कर एक प्याज के ठेले से टकराने के बाद मौके पार मौजूद भीड़ ने सीताराम के साथ धक्का मुक्की की और उसे खींचकर गिरा दिया, जिसके चलते सीताराम की मौत हो गई ।

दो गिरफ्तार,शेष की जल्द होगी गिरफ्तारी

इस रिपोर्ट के बाद पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर बॉडी का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सुपुर्द किया और एक टीम का गठन किया। इस टीम ने वारदात स्थल के आसपास के फुटेज और वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन दोनों आरोपियों से डिटेल पूछताछ की जा रही है ।इस वारदात में शामिल कुछ और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस जांच जारी है।

मौत के बाद कस्बे में फैला तनाव

युवक की मौत के बाद कस्बे में तनाव की स्थिति बनी,एमएलए गोपीचंद मीणा की अगवाई में बड़ी संख्या मैं ग्रामीणों ने 24 घंटे से ज्यादा देर तक प्रदर्शन किया था। देर शाम आपसी सहमति बनने के बाद उसका पोस्टमार्टम करवा बॉडी परिजनों को सुपुर्द की गई। फिलहाल घटना के बाद से कस्बे में माहौल शांत है वहीं एहतियात के तौर पर कई स्थानों पर पुलिस जाता तैनात किया गया है

C M Y K

सम्पादकीय

जनता को तंग करने वाले फैसले

हाल में राजधानी में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के इस आदेश ने दिल्ली एवं एनसीआर के लाखों वाहन मालिकों के लिए परेशानी पैदा कर दी कि उम्र पूरी कर चुके अर्थात 10 वर्ष से पुराने डीजल और 15 वर्ष से पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। यह आदेश इसलिए दिया गया, क्योंकि ऐसे वाहनों को चलन से बाहर करने के उसके आदेश पर अमल नहीं किया जा रहा था। ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल न देने के फैसले से दिल्ली के कई पेट्रोल पंपों पर अफरातफरी फैल गई।

एक-दो दिन के अंदर ही यह एक राजनीतिक मसला बन गया और ऐसी आवाजें भी उठीं कि उम्र पूरी कर चुके वाहनों को एकाएक ईंधन न देने का फैसला सही नहीं है। खुद दिल्ली सरकार को आगे आना पड़ा और सीएक्यूएम से कहना पड़ा कि वह अपना फैसला वापस ले। प्रदूषण रोधी निकाय सीएक्यूएम के पास पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता के प्रबंधन का अधिकार है। पता नहीं यह निकाय किस आधार पर इस नतीजे पर पहुंच गया कि 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों के इंजन ऐसे हो जाते हैं कि उनका उत्सर्जन इतना बढ़ जाता है कि वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण बनता है।

इस नतीजे पर पहुंचने के पहले अध्ययन एवं विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया ही गया होगा, लेकिन शायद इसकी अनदेखी कर दी गई कि कई वाहन मालिक अपने वाहनों का कम इस्तेमाल करते हैं। अधिकतर उनका कमर्शियल इस्तेमाल भी नहीं करते। इसके चलते उनके वाहनों के इंजन इतने खराब नहीं होते कि उन्हें प्रदूषण फैलाने का दोषी मान लिया जाए। कुछ लोगों के पास तो ऐसे वाहन हैं, जो 10 साल में 50 हजार किमी भी नहीं चले होते।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार अपनी वाहन नीति में फेरबदल करती रही है, पर उससे वायु प्रदूषण से निपटने में सफलता नहीं मिली। उत्तर भारत और विशेष रूप से राजधानी दिल्ली एवं उसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण एक विकट समस्या बना हुआ है। आबादी जैसे-जैसे बढ़ रही है, शहरों में वाहन भी बढ़ रहे हैं और उनके उत्सर्जन से होने वाला प्रदूषण भी। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि सर्दियां प्रारंभ होते ही हवा में धूल और धुएं का मिश्रण स्माग बना देता है। इसके चलते वायु प्रदूषण कई गुना बढ़ जाता है। अब साफ हवा हिमालय से लगे कुछ क्षेत्रों और सुदूर दक्षिण भारत के चंद इलाकों को छोड़कर पूरे देश में खराब ही रहती है।

सर्दियों में हवा और खराब एवं कई बार तो जानलेवा हो जाती है। वायु प्रदूषण के मूल कारणों में सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, वाहनों एवं कल-कारखानों का उत्सर्जन है। इसके अलावा कोयला, लकड़ियां, उपले आदि जलाने से निकलने वाला धुआं भी वायु प्रदूषण का कारण बनता है। सर्दियों के प्रारंभ में पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि में खेतों में फसलों के अवशेष यानी पराली जलाने का चलन भी वायु प्रदूषण बढ़ाने का काम करता है।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के सभी प्रमुख शहरों में ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिलती है।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

आवश्यकता

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया को

को राजस्थान के प्रत्येक जिले व तहसील से ब्यूरो व संवाददाताओं की आवश्यकता है

इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें

- 9694957624 dayaramdivya5@gmail.com

themovementofindia2012@gmail.com

कृषि शिक्षा में प्रोत्साहन राशि के ऑन लाइन आवेदन प्रारम्भ

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

भीलवाड़ा । कृषि संकाय लेने वाली छात्राओं को कृषि विभाग प्रोत्साहन राशि दे रहा है,इसी का परिणाम है कि छात्राओं का रुझान कृषि संकाय की ओर तेजी से बढ़ रहा है, बड़ी संख्या में छात्राएं कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, कृषि अभियांत्रिकी व खाद्य प्रसंस्करण जैसे अध्ययन के नए क्षेत्रों में उतर रही है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार जैन ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जिले में कृषि विषय में अध्ययनरत 11वीं व 12वीं एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के लिए राज किसान साथी पोर्टल के माध्यम से ऑन लाइन आवेदन पत्र आमान्त्रित किए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा कृषि विषय में अध्ययनरत छात्राओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही हैं। जिले में कृषि विषय में अध्ययनरत 11वीं व 12वीं कक्षा की छात्राओं को 15 हजार रूपये तथा कृषि स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए 25 हजार रूपये प्रति वर्ष तथा पीएचडी के लिए 40 हजार रूपये प्रति वर्ष छात्रवृत्ति के रूप में दिये जाने का प्रावधान है। संबंधित समस्त संस्था प्रधान या प्रधानाचार्य उनके संस्थान में अध्ययनरत छात्राओं को राज किसान साथी पोर्टल के माध्यम से आवेदन करवाये, उनके आवेदन की कृषि विभाग द्वारा ऑन लाइन जांच उपरान्त पोर्टल पर सत्यापित करने हेतु सम्बन्धित विद्यालयों को प्रेषित की जायेगी।

संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए छात्राएं स्वयं की एसएसओ आईडी से राज किसान साथी पोर्टल पर सम्बन्धित स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय में अध्ययन होने के प्रमाण पत्र के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के समय छात्रा को अपनी अंकतालिका एवं राजस्थान के मूल निवासी होने का प्रमाण पत्र देना होगा। छात्रा जिस कक्षा में अध्ययनरत कर रही हैं, उसके लिए संस्था प्रधान द्वारा राजकिसान पोर्टल पर कृषि संकाय वाले राजकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय में छात्रा अध्ययन होने का प्रमाण पत्र देना होगा साथ ही संस्था प्रधान को ऑनलाइन यह भी प्रमाणित करना होगा कि अध्ययनरत छात्रा अनुत्तीर्ण नहीं हैं।

संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि पंजीकरण के लिए राजकिसान पोर्टल पर लॉगिन कर प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन किया जा सकता है। कृषि शिक्षा में अध्ययनरत छात्राओं के प्रोत्साहन राशि कार्यक्रम के ऑनलाइन आवेदन के लिए वर्तमान में जारी है। 31 जनवरी, 2026 तक राज किसान साथी पोर्टल खोला गया है।

राजस्थान की मूल निवासी कर सकते है आवेदन

कृषि शिक्षा में प्रोत्साहन योजना के लिए केवल राजस्थान की मूल निवासी छात्राऐं ही पात्र होगी। आवेदन में यह दस्तावेज आवश्यक प्रोत्साहन राशि के आवेदन के लिए गत वर्ष की अंक तालिकाएं मूल निवास प्रमाण पत्र तथा जन आधार कार्ड आवश्यक है। कृषि विषय में अध्ययन करने वाली उन छात्रों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जो राजस्थान की मूल निवासी है और राजकीय एवं राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कृषि विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत है। बीच सत्र में स्कूल-कॉलेज छोड़ने वाली छात्राएं पात्र नहीं गत वर्ष अनुत्तीर्ण अथवा श्रेणी सुधार के लिए अगली कक्षा में प्रवेश लेने पर छात्राओं को प्रोत्साहन राशि नहीं दी जाएगी। सत्र के मध्य स्कूल व कॉलेज विश्वविद्यालय छोडकर जाने वाले छात्रों को भी प्रोत्साहन राशि के लिए पात्र नहीं होंगी।

बच्चों में राष्ट्रभक्ति,लेखन क्षमता और चिंतनशीलता को प्रोत्साहित करने हेतु निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

सुरज वर्मा

शाहपुरा के फुलिया कलां में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती के उपलक्ष में जय गोपाल भवन (फुलिया कलां) पर प्रातःकाल 9 बजे माय भारत एवं टीम भगत सिंह आर्मी युवा मंडल द्वारा निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई हर्षित तोशनीवाल ने बताया कि

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष में उनके विचारों, कार्यों और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए

बच्चों में राष्ट्रभक्ति, लेखन क्षमता और चिंतनशीलता को प्रोत्साहित करने हेतु निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम मुख्य अतिथि सीमा देवी, मुकेश तोषनीवाल और छोटू लाल धोबी के सानिध्य में हुआ, मुख्य अतिथियों ने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर अपने विचार रखे कार्यक्रम में 11 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिनमें

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विशेष रूप से लेखन सामग्री(पेन और कॉपी)देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन टीम द्वारा सराहनीय कार्य करने वाले छात्रों को बधाई प्रेषित की गई अतिथियों ने आयोजकों की सराहना की और भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता की कामना की।

एस डी एम सी की बैठक का आयोजन

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

राजेन्द्र खटीक शाहपुरा!

शाहपुरा/नवीन सत्र 2025-26 को स्थानीय विद्यालय पी एम श्री वीर माता माणिक कंवर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुरा में एस डी एम सी/एस एम सी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय में सत्र पर्यंत करवाई जाने वाली योजनाओं/गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।विद्यालय में छात्रों के लिए अतिरिक्त कृषि संकाय खोलने एवं कला वर्ग में भूगोल विषय खुलवाने का प्रस्ताव लिया गया।विद्यालय में लंबे समय से पड़े रिक्त पदों को भरवाने हेतु स्थानीय विधायक महोदय से निवेदन कर भरवाने का प्रस्ताव लिया गया।व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत ब्यूटी एंड वेलनेस और हेल्थ केयर विषय छात्राओं के हित को ध्यान में रख कर चयन करने का प्रस्ताव लिया गया।विद्यालय के शैक्षिक ,भौतिक, वृक्षारोपण और नामांकन विषय पर विस्तृत चर्चा की गई।विद्यालय में एसडीएमसी के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया!

इस अवसर पर एसडीएमसी के सदस्य एडवोकेट कैलाश धाकड़,स्वराज सिंह,पवन कुमार बांगड़, रामेश्वर लाल बसेर, रामप्रसाद पारीक,सोमेश्वर व्यास,इंद्रा कुमारी जैन,ज्योति सुमन,सुनीता व्यास, राकेश खटीक,दुर्गेश पारीक,सुरेंद्र सिंह बारेठ,अनिल लखोटिया सचिव पीयूष गदिया उपस्थित रहे अंत में संस्था प्रधान द्वारा। सभी का आभार प्रकट किया गया।

राज्यपाल मंगलवार को रहेंगे भीलवाड़ा जिले के एक दिवसीय दौरे पर

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

भीलवाड़ा, राजस्थान के महामहिम राज्यपाल श्री हरीभाऊ बागड़े मंगलवार, 8 जुलाई को भीलवाड़ा जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे।

राज्यपाल बागड़े प्रातः 9ः40 बजे जयपुर से हेलिकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर प्रातः 10ः40 बजे पुलिस लाइन हेलीपैड, भीलवाड़ा पहुंचेंगे। इसके उपरांत राज्यपाल प्रातः 11 बजे जैन स्थानक, सुभाष नगर, भीलवाड़ा में आयोजित आध्यात्मिक चातुर्मास समारोह में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सम्मिलित होने के पश्चात राज्यपाल दोपहर 12ः05 बजे सड़क मार्ग से सांसद श्री दामोदर अग्रवाल के निवास स्थान, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे और वहां अल्प विश्राम एवं भोजन करेंगे। इसके पश्चात माननीय राज्यपाल दोपहर 1ः00 बजे पुलिस लाइन हेलीपैड, भीलवाड़ा से प्रस्थान कर 1ः15 बजे हेलिकॉप्टर से जयपुर के लिए रवाना होंगे

जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू ने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी अस्थायी हेलीपैड निर्माण, ट्रैफिक रूट, ने साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करना सुनिश्चित करें । उन्होंने राज्यपाल श्री बागड़े के सफल दौरे हेतु जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारिया समय रहते पूर्ण करने के भी निर्देश दिए।

कृषि शिक्षा में प्रोत्साहन राशि के ऑन लाइन आवेदन प्रारम्भ

कृषि विषय में अध्ययनरत छात्राओं को 15 हजार से लेकर 40 हजार रुपए तक मिलेगी प्रोत्साहन राशि

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा 5 जुलाई। कृषि संकाय लेने वाली छात्राओं को कृषि विभाग प्रोत्साहन राशि दे रहा है,इसी का परिणाम है कि छात्राओं का रुझान कृषि संकाय की ओर तेजी से बढ़ रहा है, बड़ी संख्या में छात्राएं कृषि, उद्यानिकी, डेयरी, कृषि अभियांत्रिकी व खाद्य प्रसंस्करण जैसे अध्ययन के नए क्षेत्रों में उतर रही है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार जैन ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जिले में कृषि विषय में अध्ययनरत 11वीं व 12वीं एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के लिए राज किसान साथी पोर्टल के माध्यम से ऑन लाइन आवेदन पत्र आमान्त्रित किए गए हैं।

राज्य सरकार द्वारा कृषि विषय में अध्ययनरत छात्राओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही हैं। जिले में कृषि विषय में अध्ययनरत 11वीं व 12वीं कक्षा की छात्राओं को 15 हजार रूपये तथा कृषि स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए 25 हजार रूपये प्रति वर्ष तथा पीएचडी के लिए 40 हजार रूपये प्रति वर्ष छात्रवृत्ति के रूप में दिये जाने का प्रावधान है। संबंधित समस्त संस्था प्रधान या प्रधानाचार्य उनके संस्थान में अध्ययनरत छात्राओं को राज किसान साथी पोर्टल के माध्यम से आवेदन करवाये, उनके आवेदन की कृषि विभाग द्वारा ऑन लाइन जांच उपरान्त पोर्टल पर सत्यापित करने हेतु सम्बन्धित विद्यालयों को प्रेषित की जायेगी।

संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए छात्राएं स्वयं की एसएसओ आईडी से राज किसान साथी पोर्टल पर सम्बन्धित स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय में अध्ययन होने के प्रमाण पत्र के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के समय छात्रा को अपनी अंकतालिका एवं राजस्थान के मूल निवासी होने का प्रमाण पत्र देना होगा। छात्रा जिस कक्षा में अध्ययनरत कर रही हैं, उसके लिए संस्था प्रधान द्वारा राजकिसान पोर्टल पर कृषि संकाय वाले राजकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय में छात्रा अध्ययन होने का प्रमाण पत्र देना होगा साथ ही संस्था प्रधान को ऑनलाइन यह भी प्रमाणित करना होगा कि अध्ययनरत छात्रा अनुत्तीर्ण नहीं हैं। संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि पंजीकरण के लिए राजकिसान पोर्टल पर लॉगिन कर प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन किया जा सकता है। कृषि शिक्षा में अध्ययनरत छात्राओं के प्रोत्साहन राशि कार्यक्रम के ऑनलाइन आवेदन के लिए वर्तमान में जारी है। 31 जनवरी, 2026 तक राज किसान साथी पोर्टल खोला गया है।

राजस्थान की मूल निवासी कर सकते है आवेदन

कृषि शिक्षा में प्रोत्साहन योजना के लिए केवल राजस्थान की मूल निवासी छात्राऐं ही पात्र होगी। आवेदन में यह दस्तावेज आवश्यक

प्रोत्साहन राशि के आवेदन के लिए गत वर्ष की अंक तालिकाएं मूल निवास प्रमाण पत्र तथा जन आधार कार्ड आवश्यक है। कृषि विषय में अध्ययन करने वाली उन छात्रों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जो राजस्थान की मूल निवासी है और राजकीय एवं राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कृषि विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत है।

बीच सत्र में स्कूल-कॉलेज छोडने वाली छात्राएं पात्र नहीं

गत वर्ष अनुत्तीर्ण अथवा श्रेणी सुधार के लिए अगली कक्षा में प्रवेश लेने पर छात्राओं को प्रोत्साहन राशि नहीं दी जाएगी। सत्र के मध्य स्कूल व कॉलेज विश्वविद्यालय छोड़कर जाने वाले छात्रों को भी प्रोत्साहन राशि के लिए पात्र नहीं होंगी।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के स्थापना दिवस पर रक्तदान, वृक्षारोपण एवं तुलसी गमला वितरण कार्यक्रम आयोजित

भीलवाड़ा । अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के स्थापना दिवस को सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुए रविवार को अग्रसेन भवन में विशाल रक्तदान शिविर, तुलसी गमला वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस आयोजन में वैश्य युवाओं ने कुल 101 यूनिट रक्तदान किया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ फेडरेशन के संभाग अध्यक्ष एवं सांसद दामोदर अग्रवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व प्रदेश मंत्री कल्पेश चौधरी, संभागीय महिला अध्यक्ष मधु जाजू, जिला अध्यक्ष रामेश्वरलाल काबरा, संभागीय युवाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार डाणी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष ओ.पी. हिंगड़, जिला महामंत्री ललित अग्रवाल, महिला प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कोगटा, जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण गोपाल मूंदड़ा, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रामप्रसाद पोरवाल, जिला उपाध्यक्ष महेश खंडेलवाल व राधेश्याम सोमानी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

रक्तदान शिविर में नगर परिषद महापौर राकेश पाठक ने भी रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। कई युवाओं एवं महिलाओं ने अपने जीवन का पहला रक्तदान

किया ।

जिला अध्यक्ष रामेश्वर काबरा ने बताया कि कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक अशोक कोठारी, महापौर राकेश पाठक, प्रदेश मंत्री कल्पेश चौधरी, संभागीय महिला अध्यक्ष मधु जाजू, जिला अध्यक्ष रामेश्वर काबरा, जिला महामंत्री ललित अग्रवाल, संभागीय युवाध्यक्ष देवेंद्र डाणी, महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती लीला राठी, महिला जिला महामंत्री श्रीमती सुमन अग्रवाल, महिला प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कोगटा, जिला कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मूंदड़ा, युवा प्रदेश मंत्री पंकज लोहिया, संगठन मंत्री नरेंद्र विजयवर्गीय सहित कई गणमान्य जन मौजूद रहे । काबरा ने बताया कि युवा जिला अध्यक्ष राघव कोठारी और उनकी टीम ने पूरे शिविर की व्यवस्थाओं का निर्वहन किया ।

जिला महामंत्री आशीष अग्रवाल, जिला कोषाध्यक्ष आशीष झंवर, रक्तदान प्रभारी लोकेश अग्रवाल, सह संयोजक योगेश हेडा, मनीष बोरदिया, हर्षल नागौरी, अजय नौलखा, रौनक हींगड़, सीए वैभव बिंदल, अभिषेक चंडालिया, आलोक पलोड़, चेतन अग्रवाल, तरुण पंसारी, आशीष चौधरी, पंकज पोरवाल, अजय कोठारी आदि युवाओं ने योगदान दिया।सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र, फेडरेशन की आजीवन सदस्यता और तुलसी का गमला भेंट कर सम्मानित किया गया ।

शिविर में अरिहंत हॉस्पिटल ब्लड बैंक, श्री कोटड़ी श्याम हॉस्पिटल और एमजी अस्पताल की ब्लड कलेक्शन टीमों के सहयोग से कुल 101 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। डॉ. आर.के. जैन, अर्पित बाहेती, हेमंत गर्ग, गोपाल विजयवर्गीय और उनकी टीमों का योगदान सराहनीय रहा।माहेश्वरी, जैन, अग्रवाल, पोरवाल, खण्डेलवाल, विजयवर्गीय आदि सभी समाजो के वरिष्ठ समाजसेवियों की उपस्थिति रही ।

घुमंतू छात्रावास में नये सत्र के लिए निःशुल्क प्रवेश शुरू, छात्रों को गोद लेने की अपील

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा । श्री केशव स्मृति सेवा प्रन्यास द्वारा अंबेडकर नगर में संचालित गुरु कानिफनाथ छात्रावास नये शैक्षणिक सत्र हेतु घुमंतू जाति के बच्चों के लिए प्रवेश प्रक्रिया विधिवत प्रारंभ हो चुकी है ।

प्रन्यास के अध्यक्ष हीरालाल टेलर और सचिव रवींद्र मानसिंहका ने बताया कि सपेरे, बंजारा, कंजर, गाडोलिया लुहार जैसी घुमंतू समुदायों के 7 से 12 वर्ष आयु वर्ग के बालकों को छात्रावास में प्रवेश दिया जा रहा है। यह पहल विशेष रूप से उन परिवारों के लिए है जो अपने बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में आर्थिक या सामाजिक बाधाओं का सामना करते हैं।

उल्लेखनीय है कि इन बालकों के अभिभावकों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा है। बच्चों की शिक्षा, आवास, भोजन और अन्य सभी सुविधाओं का संपूर्ण खर्च श्री केशव स्मृति सेवा प्रन्यास द्वारा वहन किया जा रहा है । प्रन्यास का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा संसाधनों की कमी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। छात्रावास में बच्चों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं पर्याप्त और उचित ढंग से उपलब्ध कराई गई हैं, जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करती हैं।

कक्षा 1 से 5 तक के बालक अंबेडकर नगर स्थित प्रतिष्ठित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय में अध्ययन करते हैं, जबकि कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को शास्त्री नगर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में शिक्षा ग्रहण कराई जा रही है। जिससे बच्चे मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ सकें और एक उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकें।

प्रन्यास से जुड़े गणेश सुथार और विशाल गुरुजी ने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी का वार्षिक खर्च लगभग 90,000 रुपए आता है। प्रन्यास ने समाज के संवेदनशील व्यक्तियों, संगठनों और दानदाताओं से अपील की है कि वे इन बालकों को गोद लेकर उनके भविष्य को सुरक्षित करने में अपना योगदान दें।

शाहपुरा में चोरों का आतंकः एक ही रात में चार जगह चोरियों की वारदात, दो मोटरसाइकिल समेत कबाड़ का सामान चोरी

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजेन्द्र खटीक शाहपुरा!

शाहपुरा।शहर में कल रात चोरों ने धावा बोलते हुए चार अलग-अलग जगहों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। शहरवासियों में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनिहार कॉटेज के पास से एक मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई। इसके अलावा सोपुरा चौराहा क्षेत्र से भी चोरों ने एक और बाइक पार कर ली। इसी रात सेवनी चौराहा स्थित पार्षद राजेश के कबाड़ गोदाम में ताला तोड़कर चोर सामान ले गए। लगातार हो रही चोरियों ने आमजन को चिंता में डाल दिया है।स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि पुलिस रात्रि गश्त बढ़ाए और इन वारदातों की जल्द से जल्द जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार करे।

श्री बालाजी अखाड़ा फुलिया कला शाहपुरा के लोगो ने गढ़बोर चारभुजा नाथ के यहा दिखाया करतब

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

शाहपुरा राजेन्द्र खटीक!

राजसमंद! गढ़बोर चारभुजा नाथ में शाहपुरा के रामस्नेही सम्प्रदाय के जगतगुरु आचार्य रामदयाल जी महाराज की पधरावनी के कार्यक्रम में शाहपुरा के फुलिया कला के बालाजी अखाड़ा के खिलाड़ियों ने दिखाया अपना करतब रामस्नेही सम्प्रदाय के जगतगुरु रामदयाल जी महाराज के जुलुस में ग्यारह घोडो ने भी अपना करतब दिखाया इस जुलूस में लाखों की संख्या में महिलाएं-पुरुष,लड़के-लडकिया व और भी संत लोग उपस्थित थे।यह जुलुस गढ़बोर चारभुजा नाथ के दर्शन कर के वहा से रवाना हुआ जो बाजार से होते हुए कथा स्थल श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पर पहुचा वहा पर विधायक दिव्या कुमारी माहेश्वरी का स्वागत किया गया।फिर उसके बाद कथा शुरू हुई कथा के बाद लोगो ने प्रसादी ग्रहण की ।

उम्मेद सागर रोड स्थित पानी की टंकी के सामने फिर मिला नवजात भ्रूण,इलाके में फैली सनसनी शाहपुरा में इस प्रकार की दूसरी घटना

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

शाहपुरा,7 जुलाई शहर में एक बार फिर मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। उम्मेद सागर रोड स्थित पानी की टंकी के सामने एक नवजात शिशु का भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। यह भ्रूण लगभग 8 से 9 महीने का बताया जा रहा है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि जन्म के तुरंत बाद उसे यहां फेंका गया होगा।घटना की जानकारी मिलते ही शाहपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। सब इंस्पेक्टर पीतांबर, पुलिस चौकी इंचार्ज बदन सिंह, तथा बनवारी कुमावत सहित अन्य पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच प्रारंभ की।पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि भ्रूण को वहां किसने और क्यों छोड़ा।उल्लेखनीय है कि यह शाहपुरा में इस प्रकार की दूसरी घटना है, जिससे आमजन में आक्रोश व चिंता का माहौल है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

आवश्यकता
द मूवमेंट ऑफ इंडिया को
को राजस्थान के प्रत्येक जिले व तहसील से ब्यूरो व संवाददाताओं की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
- 9694957624 dayaramdivya5@gmail.com
themovementofindia2012@gmail.com

ये तो बड़ा अपराध है... 269 बनाने के बाद भी खुश नहीं योगराज सिंह, शुभमन गिल को क्या कह दिया

एजेंसी नई दिल्ली

युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह, शुभमन गिल के तिहरे शतक से चूकने पर थोड़े नाराज दिखे। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 269 रन बनाने के बावजूद, गिल के तिहरे शतक से चूकने पर निराशा जताई। योगराज सिंह ने कहा कि खिलाड़ी की भूख कभी नहीं मरनी चाहिए। उन्होंने गिल के प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि 200 या 250 रन बनाने से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि 300, 350 और 400 रन बनाने का प्रयास करना चाहिए। योगराज ने कहा कि आउट होना एक अपराध है और खिलाड़ी को हमेशा यह सोचना चाहिए कि वह आउट क्यों हुआ। विराट कोहली ने गिल की शानदार पारी की प्रशंसा की और उन्हें 'स्टार बॉय' कहा। गिल ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज में भी अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन भारत पहला टेस्ट हार गया। गिल ने बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड में खेलते हुए पहली पारी में 269 रन बनाए थे। वह भारत के लिए एक दशक से अधिक समय में तिहरा शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बनने से चूक गए। योगराज सिंह ने कहा, 'एक खिलाड़ी की भूख कभी नहीं मरनी चाहिए। सिर्फ यह कहना कि 'मैंने 200 रन बनाए' या 'मैंने 250 रन बनाए' - ठीक है, अच्छा खेला, बढ़िया। लेकिन मैं कभी 'अच्छा खेला' नहीं कहता। यह तुम्हारा काम है, भाई - लेकिन तुम आउट क्यों हुए?' उन्होंने आगे कहा, '300 बनाओ, फिर 350, यहां तक कि 400 वो भी आएंगे। लेकिन तुम्हें कोशिश करनी होगी। मेरा रवैया यह है कि किसी भी स्टेज पर आउट होना एक आपराधिक अपराध है, भाई। तुम कैसे आउट हुए? क्या तुम थक गए थे? क्या तुमने सीधा किसी के हाथों में शॉट मारा?' योगराज सिंह ने शुभमन गिल की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि संभवतः हर भारतीय क्रिकेटर उनके प्रशिक्षण से गुजरा है। उन्होंने कहा कि गिल ने पिछले 7 वर्षों में जो कड़ी मेहनत की है, उसका फल अब मिल रहा है। दूसरी पारी में, गिल ने एक और शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सिर्फ 162 गेंदों में 161 रन बनाए। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 83 ओवरों में 427/6 पर पारी घोषित कर दी।

बेन स्टोक्स को आउट करना तो दूर, ओवर भी नहीं डाल पाते सुंदर, रविंद्र जडेजा की वजह से गिरा विकेट

एजेंसी बर्मिंघम

भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में लंच से ठीक पहले बेन स्टोक्स का विकेट मिला। 100 रनों के अंदर 5 विकेट गिरने के बाद स्टोक्स ने जेमी स्मिथ के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों ने स्कोर को 150 के पार पहुंचा दिया। लेकिन लंच से पहले आखिरी ओवर में स्टोक्स आउट हो गए। भारतीय टीम के ऑफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर को इंग्लैंड के कप्तान का विकेट मिला। ऑफ स्पिनर की गेंद बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए गिरने के बाद बाहर जाती है। वॉशिंगटन सुंदर के खिलाफ बेन स्टोक्स वही उम्मीद कर रहे थे लेकिन गेंद गिरने के बाद ड्रिफ्ट होकर अंदर की तरफ आ गई। बेन स्टोक्स का बल्ला पैर से पीछे था और इसी वजह से गेंद पैड पर जाकर लगी। जोरदार अपील पर अंपायर ने उंगली खड़ी कर दी। स्टोक्स ने डीआरएस लिया लेकिन वह नहीं बच पाए। थ्री रेड होने की वजह से इंग्लैंड का डीआरएस भी बर्बाद हो गया। भारत को यह विकेट मिलता तो दूर की बात है, वॉशिंगटन सुंदर लंच से पहले ओवर ही नहीं डाल पाते। रविंद्र जडेजा की वजह से उन्हें यह ओवर डालने का मौका मिल गया। जडेजा ने सुंदर से पहले वाला ओवर डाला था। वह लंच से पहले का आखिरी ओवर माना जा रहा था। टेस्ट में एक ओवर के लिए करीब 4 मिनट का समय होता है लेकिन उन्होंने 100 सेकेंड से भी कम समय में ओवर खत्म कर दिया। ओवर के बाद भी लंच का टाइम नहीं हुआ था। ऐसे में अंपायर ने एक और ओवर डलवाने का फैसला किया।

उछाल से किया पोप का शिकार, स्विंग में फंसे हैरी ब्रूक, आकाश दीप की बॉलिंग का जवाब नहीं

एजेंसी बर्मिंघम

बारिश के कारण भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी टेस्ट का पांचवां दिन एजबेस्टन एक घंटा 40 मिनट की देरी से शुरू हुआ। भारत को यहां पहली बार टेस्ट मैच जीतने के लिए सात विकेट चाहिए थे। भारत के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने जल्दी ही सफलता दिलाई। उन्होंने ओली पोप को बोल्ड कर दिया। इसके बाद पहली पारी में शतक लगाने वाले हैरी ब्रूक को भी आकाश दीप ने पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। आकाश दीप ने ओली पोप को इंटरनेशनल क्रिकेट में खूब परेशान किया है। पहली पारी में पोप आकाश दीप की गेंद पर गोल्डन डक हो गए थे। अब दूसरी पारी में भी आकाश दीप की गेंद पर वह बोल्ड हुए। आकाश दीप की गेंद में उछाल ज्यादा थी। पोप ने उसे खेलने की कोशिश की लेकिन बीट हो गए। गेंद उनके बाजू पर लगने के बाद विकेट से टकरा गई। 50 गेंदों पर पोप के बल्ले से 24 रनों की पारी निकली। आकाश दीप यहीं नहीं रुके। 20वें ओवर में ओली पोप को आउट करने के बाद 22वें ओवर में हैरी ब्रूक का भी शिकार कर लिया। पहली पारी में 158 रन ठोकने वाले ब्रूक एलबीडब्ल्यू हुए। गेंद काफी तेजी से अंदर आई। ब्रूक इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे और वह गेंद को पूरी तरह मिस कर गए। अपील हुई और अंपायर ने बिना किसी हिचकिचाहट के उंगली उठा दी। ब्रूक ने डीआरएस लिया लेकिन अंपायर्स कॉल की वजह से वह नहीं बच पाए। अगर आकाश दीप के हाथ में नई गेंद हो तो बैटिंग करना आसान नहीं है। पहली पारी में उन्होंने पहली नई गेंद से दो शिकार किए थे। फिर दूसरे नई गेंद आने के बाद आकाश ने ही ब्रूक और स्मिथ की साझेदारी तोड़ी थी। वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करवाते हैं। इसी वजह से बैटिंग आसान नहीं होती।

आकाश दीप ने नो बॉल पर जो रूट को बोल्ड किया इंग्लैंड वालों को आईसीसी का नियम पढ़ लेना चाहिए

एजेंसी बर्मिंघम

एजबेस्टन टेस्ट में वर्कलोड की वजह से टीम इंडिया ने प्रमुख पेसर जसप्रीत बुमराह का आराम दिया। उनकी जगह आकाश दीप को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। आकाश के खिलाफ नई गेंद पर बैटिंग करना आसान नहीं होता। उन्होंने एक बार फिर इस बात को साबित कर दिया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में उन्होंने पहले सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को बोल्ड किया। इसके बाद सबसे खतरनाक जो रूट को भी बोल्ड कर पवेलियन की राह दिखा दी। जो रूट का विकेट को आकाश दीप को मिल गया लेकिन इसपर विवाद भी शुरू हो गया है। कुछ विशेषज्ञों और फैंस का मानना है कि आकाश ने जिस गेंद पर जो रूट को बोल्ड किया, उसे नो बॉल दिया जाना चाहिए थे। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर एलिसन मिशेल ने कहा, 'आकाश दीप की गेंदबाजी काफी बाहर से की गई थी और उनका पिछला पैर रिटर्न क्रीज से करीब दो इंच बाहर था। यह नियमों के अनुसार नो-बॉल होनी चाहिए थी, लेकिन अंपायर्स ने इसे नोट नहीं किया।' क्रिकेट में एक नो बॉल फ्रंट फुट को होता है। इसके साथ ही बैकफुट का नो बॉल भी दिया जाता है। वाइड लाइन के बाहर एक रिटर्न क्रीज लाइन होती है। MCC के नियम 21.5.1 के अनुसार, 'गेंदबाज का पिछला पैर उसकी गेंद डालने के बाद रिटर्न क्रीज के भीतर होना चाहिए और उसे छूना नहीं चाहिए।' गेंद का पैर लैंड करते समय उस लाइन में टच नहीं होना चाहिए। एक बार पैर लैंड करने के बाद फिर रिटर्न क्रीज पर टच करती है तो वह नो बॉल नहीं होगा। आकाश दीप का पैर पहले अंदर लैंड हुआ था। इसके बाद रिटर्न क्रीज में टच हुआ। अगर पहले टच के समय पैर रिटर्न क्रीज के ऊपर हवा में भी रहती है तो नॉ बॉल नहीं होता है। कमेंट्री बॉक्स में मौजूद पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कहा कि चूंकि आकाश का पैर रिटर्न क्रीज के अंदर लैंड हुआ, इसलिए गेंद सही थी। जो रूट का प्रदर्शन इस टेस्ट में निराशाजनक रहा। पहली पारी में उन्होंने 46 गेंदों में सिर्फ 22 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में वे सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हो गए। आकाश दीप की इनस्विंग गेंद पर वे पूरी तरह चकमा खा गए।

वीरेंद्र सहवाग के लिए खुशी और गम दोनों, एक बेटा अनसोल्ड तो दूसरे पर लाखों की बौछार

एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग से एक बड़ी खबर सामने आई है। इस लीग में 2025 के ऑक्शन में दिग्गज भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के दोनों बेटे भी उतरे थे। सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग को मोटी रकम में खरीद लिया गया है। वहीं उनके छोटे बेटे वेदांत को लीग के ऑक्शन में किसी भी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा है। आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपये में खरीदा। दोनों बेटे दिल्ली के लिए जूनियर क्रिकेट खेल चुके हैं। छोटे बेटे वेदांत सहवाग को कोई खरीदार नहीं मिला। सिमरजीत सिंह DPL 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 39 लाख रुपये में खरीदा। नीतीश राणा वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेलेंगे। उन्हें 34 लाख रुपये में खरीदा गया। इशांत शर्मा भी वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए 13 लाख रुपये में खेलेंगे। नीलामी में पहले वेदांत का नाम आया। किसी भी टीम ने उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। इसलिए वह नहीं बिके। कुछ मिनट बाद आर्यवीर का नाम आया। उन्हें खरीदने के लिए टीमों में होड़ लग गई। आखिर में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने उन्हें 8 लाख रुपये में खरीद लिया। आर्यवीर दिल्ली के लिए U-19 क्रिकेट खेलते हैं। वह अपनी बल्लेबाजी के कारण अक्सर चर्चा में रहते हैं। 2024 में वह दिल्ली राज्य टीम के लिए 300 रन बनाने के करीब पहुंच गए थे। दिल्ली के लिए पारी की शुरुआत करते हुए आर्यवीर ने मेघालय के खिलाफ 297 रन बनाए थे। आर्यवीर एक बार फरारी जीतने से चूक गए। वह अपने पिता के टेस्ट में सबसे ज्यादा रन 319 के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाए। सहवाग ने 2015 में कहा था, 'हां, मेरे बच्चों को पता है कि मैंने टेस्ट क्रिकेट में कुछ बड़े स्कोर बनाए हैं। इसलिए मैंने उनसे कहा है कि अगर तुम स्कूल क्रिकेट में भी 319 रन का आंकड़ा पार करते हो, तो मैं तुम्हें फरारी दूंगा।' आर्यवीर के तिहरा शतक बनाने से चूकने के बाद सहवाग ने ट्विटर पर पोस्ट किया, 'बहुत अच्छा खेले आर्यवीर लेकिन 23 रनों से फरारी चूक गए।

व्यापार

अडानी लेकर आए हैं कमाई का बंपर ऑफर, FD के काटे कान, 9.30% ब्याज वाली यह स्कीम कैसी

एजेंसी नई दिल्ली

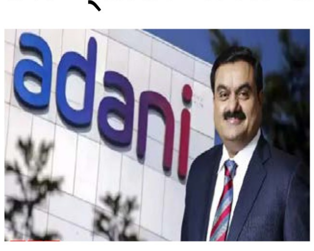

फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर घटती ब्याज दरों के बीच गौतम अडानी लोगों के लिए शानदार कमाई का मौका लेकर आए हैं। अडानी ग्रुप की अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (AEL) ने 1,000 करोड़ तक के सिक्योर्ड, रेटेड, लिस्टेड, रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) का दूसरा पब्लिक इश्यू जारी करने की घोषणा की है। यह इश्यू 9 जुलाई को खुलेगा और 22 जुलाई 2025 तक खुला रहेगा। यानी आप इसमें इस अवधि के बीच पैसा लगा सकते हैं। कंपनी निवेशकों को सालाना 9.30% का यील्ड (ब्याज) दे रही है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एफडी के मुकाबले यह काफी ज्यादा है। अभी एफडी पर एसबीआई करीब 6.5 से 7% ब्याज की पेशकश करता है। यह एनसीडी आठ सीरीज में उपलब्ध है। इसकी अवधि 24, 36 और 60 महीने है। ब्याज भुगतान के विकल्प में तिमाही, वार्षिक और संचयी शामिल हैं। AEL इस पैसे का इस्तेमाल पुराने कर्ज चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। सरल भाषा में एनसीडी का मतलब है कि आप किसी कंपनी को कर्ज दे रहे हैं। जब आप अडानी एंटरप्राइजेज (एईएल) के एनसीडी खरीदते हैं तो आप उन्हें पैसा उधार दे रहे होते हैं। इसके बदले में कंपनी आपसे वादा करती है कि वह आपको आपका मूल पैसा (जो आपने निवेश किया है) एक तय समय के बाद वापस कर देगी और तब तक आपको उस पर नियमित रूप से ब्याज भी मिलता रहेगा। इन्हें 'नॉन-कन्वर्टिबल' इसलिए कहते हैं क्योंकि इन्हें कंपनी के शेयरों में बदला नहीं जा सकता। अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी एईएल का यह इश्यू 9 जुलाई से शुरू हो रहा है और 22 जुलाई 2025 तक चलेगा। कंपनी इस इश्यू के जरिए 1,000 करोड़ रुपये तक जुटाना चाहती है। इससे पहले सितंबर 2024 में एईएल का पहला एनसीडी इश्यू आया था, जो पहले ही दिन पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया था। कंपनी अलग-अलग अवधि के लिए एनसीडी दे रही है। ये अवधि 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की है। इन पर निवेशकों को 9.30% सालाना तक का ब्याज (यील्ड) मिलेगा। ब्याज का भुगतान तिमाही, सालाना या एकमुश्त किया जा सकता है। इससे निवेशकों को अपनी जरूरत के हिसाब से विकल्प चुनने की सुविधा मिलेगी। CARE रेटिंग्स और ICRA दोनों ने इस इश्यू को 'AA-' रेटिंग दी है। इसका मतलब है कि यह निवेश के लिए सुरक्षित है और इसमें क्रेडिट रिस्क कम है। इसका मतलब है कि इनमें सुरक्षा का स्तर काफी ज्यादा है। आपको पैसा न मिलने का जोखिम कम है। आसान शब्दों में कहें तो अडानी एंटरप्राइजेज की ओर से समय पर आपका पैसा और ब्याज चुकाने की संभावना बहुत ज्यादा है। खास बात यह है कि अडानी एंटरप्राइजेज पहली ऐसी गैर-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एबीएफसी) है जो सीधे आम लोगों (रिटेल निवेशकों) के लिए ऐसे लिस्टेड एनसीडी लेकर आई है। अडानी ग्रुप के सीएफओ जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने कहा, 'यह इश्यू समावेशी पूंजी बाजार विकास और दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह हमारे पहले NCDs को मिली मजबूत प्रतिक्रिया के बाद आया है, जिसमें छह महीने के भीतर पूंजी में बढ़ोतरी और क्रेडिट रेटिंग में सुधार देखा गया।' इसका मतलब है कि कंपनी पूंजी बाजार को बढ़ाना चाहती है। साथ ही देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने को इच्छुक है पहले NCD को निवेशकों ने खूब पसंद किया था।

लो या छोड़ दो... अमेरिका 100 देशों के साथ जो करने जा रहा है, क्या उसमें भारत भी बड़े बदलाव की आहट

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिका 1 अगस्त से लगभग 100 देशों से आने वाले सामानों पर 10% का टैरिफ लगाएगा। इसे वैश्विक व्यापार नीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि यह टैरिफ उन देशों पर भी लागू होगा जो अभी अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने 12 देशों को नए टैरिफ स्तरों की जानकारी देते हुए पत्र भेजे हैं। इसमें 'लो या छोड़ दो' का प्रस्ताव है। इस फैसले का मकसद अमेरिकी निर्यात के लिए बेहतर व्यापारिक शर्तें हासिल करना है। भारत पर इसका असर इसलिए भी जल्दी होगा क्योंकि भारतीय सामानों पर 26% टैरिफ की छूट 9 जुलाई को खत्म हो रही है। अगर तब तक कोई समझौता नहीं हुआ तो 1 अगस्त से भारतीय निर्यात पर ज्यादा शुल्क लगेगा। अमेरिका अगले महीने से लगभग 100 देशों से आयात पर 10% का टैरिफ लगाने जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह वैश्विक व्यापार नीति में बड़ा बदलाव है। स्कॉट बेसेन्ट ने ब्लूमबर्ग टेलीविजन को बताया कि यह टैरिफ उन देशों पर भी लगेगा जो अभी अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं। भारत के दुश्मन के साथ अजरबैजान ने की 170000000000 रुपये की डील, क्या है इस मुस्लिम देश का प्लान? बेसेन्ट ने कहा, 'हम देखेंगे कि राष्ट्रपति उन देशों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं जो बातचीत कर रहे हैं। क्या वे अच्छी नीयत से बातचीत कर रहे हैं या नहीं।' उन्होंने यह भी कहा कि लगभग 100 देशों पर कम से कम 10% का टैरिफ लगेगा और आगे की स्थिति देखी जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया है कि उन्होंने 12 देशों को पत्र भेजे हैं। इन पत्रों में नए टैरिफ के बारे में जानकारी दी गई है। यह एक 'लो या छोड़ दो' का प्रस्ताव है। हालांकि उन्होंने देशों के नाम नहीं बताए। लेकिन, कहा जा रहा है कि इसमें भारत, जापान और यूरोपीय संघ के सदस्य शामिल हैं। अमेरिकी सरकार का कहना है कि इन टैरिफ का मकसद अमेरिकी निर्यात के लिए बेहतर व्यापारिक शर्तें हासिल करना है। लेकिन, इस नीति का दायरा बहुत बड़ा है। यह दुनिया के लगभग आधे देशों को लक्षित कर रही है। इसे दशकों में सबसे बड़ा व्यापारिक बदलाव माना जा रहा है। भारत के लिए स्थिति थोड़ी गंभीर है। अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 26% टैरिफ की छूट दी थी। यह छूट 9 जुलाई को खत्म हो रही है। अगर तब तक कोई समझौता नहीं होता है तो 1 अगस्त से भारतीय निर्यात पर ज्यादा शुल्क लगेगा। हाल के हफ्तों में बातचीत तेज हुई है। भारतीय वार्ताकार वाशिंगटन से बातचीत करके लौटे हैं। लेकिन, अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। मुख्य मुद्दा यह है कि अमेरिका भारत पर अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों को जेनेटिकली मॉडिफाइड उत्पादों के लिए खोलने का दबाव डाल रहा है। इसका मतलब है कि अमेरिका चाहता है कि भारत अपने किसानों को ऐसे बीज और उत्पाद इस्तेमाल करने दे जिनमें बदलाव किया गया हो। भारत चाहता है कि अमेरिका उसके श्रम-आधारित निर्यात जैसे कपड़ा, चमड़ा और रत्न के लिए ज्यादा अवसर दे। अमेरिका ने अभी तक किसी भी देश को स्टील टैरिफ में राहत नहीं दी है, जिसमें भारत भी शामिल है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (WTO) में जवाबी टैरिफ लगाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। खासकर ऑटो पार्ट्स पर लगाए गए शुल्क के जवाब में।

सिर्फ 3 दिन बाकी... अमेरिका के साथ अगर डील न हो पाई तो क्या होगा, भारत कितना रेडी

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिका के साथ भारत के प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अब सिर्फ 3 दिन बचे हैं। 9 जुलाई को भारतीय सामानों पर अमेरिकी टैरिफ में 90 दिनों की छूट की मियाद खत्म हो रही है। अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 26% का अस्थायी शुल्क लगाया था। अगर इस डेडलाइन तक कोई अंतरिम व्यापार समझौता नहीं हो पाता है तो 1 अगस्त से भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में अपने उत्पादों को बेचने में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि अगर यह डील नहीं हुई तो भारत पर क्या असर पड़ेगा और हमारा देश इसके लिए कितना तैयार है। अगर भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता तय समय पर नहीं होता है तो भारतीय उद्योग को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। सबसे पहले, भारतीय सामानों पर 26% या उससे ज्यादा का शुल्क फिर से लग जाएगा। इससे अमेरिकी बाजार में वे महंगे हो जाएंगे। ये दूसरे देशों के मुकाबले कम बिकेंगे। इसका सीधा असर कुछ खास सेक्टरों पर पड़ेगा। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने चेतावनी दी है कि ऑटोमोबाइल और कपड़ा उद्योग जैसे क्षेत्रों को खास तौर पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, मेक्सिको जैसे देशों को अमेरिका में ऑटोमोबाइल पर लगभग 0% टैरिफ देना पड़ता है। इससे वे भारतीय उत्पादों से कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं। इन चुनौतियों के बावजूद भारतीय उद्योग इस स्थिति के लिए काफी हद तक तैयार है। वह परिपक्व नजरिया अपना रहा है। सीआईआई अध्यक्ष राजीव मेमानी ने साफ किया है कि भारतीय उद्योग ऐसी किसी ट्रेड डील के पक्ष में नहीं है जिससे देश के हितों से समझौता हो। उनका कहना है कि भारत यह डील तभी करेगा जब यह भारत के हित में हो और अमेरिका के हित में हो।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा